

FORM NO. III  
फर्द अहकाम  
(नियम 26)

लत 500 मुकाम डूंगला  
उदयलाल बनाम पुष्पा  
रुदमा शांतिपत्र नं. 74125 सन्

लेखक हुकुम गा कार्यवाही मय इनिशियल्स जज नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकुम की तामील में जारी हुए

1/25 प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता श्री. प्रहलाद सिंह शत-हाल ने विरुद्ध विपक्षीयण प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 रा0का0अधि0 का प्रस्तुत किया जो बाद जांच दर्ज रजिस्टर किया गया। विपक्षीयण को जरिये सूचना पत्र तलब किया जावे। पत्रावली देख तामीली रिपोर्ट एवं जवाब दिनांक. 25/9/25 को पेश हो

अपेक्षित अधिकारी  
डूंगला

पत्रावली पेश हुई/वकील उभय पक्ष एवं गवाह श्री. प्रहलाद सिंह शत-हाल उपस्थित प्रहलाद सिंह शत-हाल अतः पत्रावली पूर्वदेशानुसार दि. 6.11.25 को पेश हो।

14/25 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित। वकील प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 भा. सं. ए. का संबंधित सारोप्य इस प्रकार से है।

प्रार्थी श्री उदयलाल पिता भांगीलाल अलीर इस वयस्क निवासी पदमपुरा की ओर से

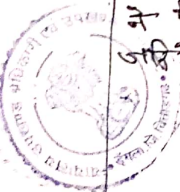
अपेक्षित अधिकारी  
डूंगला  
जिला-चित्तौड़गढ़

→ P. 20




तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
---------------	-----------------------------------

अधिवक्ता श्री महेन्द्र सिंह शम्भुल द्वारा विपक्षी श्री प्रभा शिवा खेमा अदीर उग्र वायसु निवासी पदमपुरा व श्री हेमराज शिवा खेमा अदीर निवासी पदमपुरा इस्वील डूंगला के निकट 3/4 भाग पत्र भन्तर्गत पत्रा 212 धार मी ल का मरुत कर निवेदन किया गया कि गौजा पदमपुरा परिवार मण्डल पाछोद के खाला संख्या 31 में वर्णित धारानी नम्बर 172 रकबा 0.2840 हे. में 1/3 हिस्सा नारायण शिवा खेमा अदीर निवासी पदमपुरा से प्रार्थी उद्यमशाल ने रजिस्टर्ड विक्रय पत्र से वर्ष 2016 में उनके 1/2 हिस्सा में से 54/100 हिस्सा (लगभग 18 विस्वा) भूमि को प्रार्थी के कर्म की गई जिस पर प्रार्थी का अधिपत्य प्रार्थी उपयोग - उपयोग कर रहा जो वादग्रह है। प्रार्थी द्वारा कर्म की गई भूमि बंधु भाऊ खोटा शारवा डूंगला के रदन से प्रार्थी केरा के नाम डूंगला नवी खुल सका फिर वर्ष 2018 में विक्रेता नारायण लाल शिवा खेमा की सत्य है गई है धारालाह फौड उसे उनके कोषायद सुत्र सुत्रियां नहीं थी। उसके बाद विपक्षी सं. 1 व 2 ने निरुद्ध कर बंधु भाऊ खोटा शारवा डूंगला में स्व. नारायणलाल के एक हिस्से को सम्पूर्ण राशि जमाकर बंधु से अनुपस्थित प्रमाण पत्र प्राप्त कर स्व. नारायणलाल के एक हिस्से को सम्पूर्ण धारालाह को विरासती डूंगला से विपक्षी सं. 1 व 2 ने तथा दोनो बहनों के नाम पर दिनांक 11.8.2025 को डूंगला संख्या 430 निर्णित कराया गया तत्पश्चात् विपक्षी सं. 1 व 2 ने मिलकर दोनो बहनों का सम्पूर्ण एक हिस्सा जदिये एक परिपत्र के विपक्षी सं. 1 व 2 ने

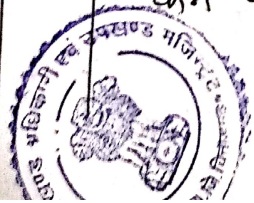

  
 अधिवक्ता  
 डूंगला  
 जिला-चित्तौड़गढ़

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
---------------	-----------------------------------

उपरोक्त जमान पर कस्ता शिवा जमान जिसके कोर 1 स्व. नारायण की सम्पूर्ण धाराला में विपक्षी संख्या 1 व 2 का 1/2 1/2 एक हिस्सा को रिकार्ड हुआ जबकि स्व. नारायण शिवा खेमा ने अपने जीवनकाल में प्रार्थी को जदिये विक्रय पत्र रजिस्टर्ड रकबा में धाराला संख्या 172 रकबा 0.2840 हे. भूमि में से 54/100 एक हिस्सा (लगभग 18 विस्वा) एक हिस्सा भूमि को प्रार्थी को विक्रय की गई थी उसको भी विपक्षी संख्या 1 व 2 ने अपने नाम पर करवा लिया गया है जबकि प्रार्थी द्वारा कर्म की गई भूमि पर प्रार्थी का कब्जा चल रहा है तथा प्रार्थी को इसका उपयोग उपयोग करा रहा है। इसलिए स्व. नारायण के कोई विधिक वारिसात नहीं देखे जा सकें बंधु प्रार्थी के पास में रजिस्टर्ड विक्रय निवेदन की पालना करायें जायें है रजिस्टर्ड विक्रय पत्र में वर्णित धाराला की भूमि का प्रार्थी ने अपने नाम खसिदारी की घोषणा है वाद पत्र के साथ अनुपस्थित निवेदाना का स्थान धाराला है प्रार्थी पत्र को वाद पत्रा किया गया। मरुत प्रार्थी पत्र को वाद पत्रा कर रजिस्टर्ड कर विपक्षी को जदिये सम्मन नोटिस किया गया। विपक्षी संख्या 1 व 2 के सम्मन बाद समील प्राप्त हुए जिसको शामिल पत्रावही विपक्षी संख्या 1 व 2 को चित्त सुनवाई को बार-बार धाराला लगावाई गई फिर भी उपस्थित नहीं हुए न हो इनकी धार से सिद्धि ने उपस्थित हो गई। अतः इनके निरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही का आदेश दिया जाता है वकील प्रार्थी को एक पक्षीय बहस को सुनना तथा वकील प्रार्थी ने बहस में कथन किया गया कि प्रार्थी पत्र में वर्णित धाराला नम्बर 172 गौजा पदमपुरा परिवार मण्डल पाछोद के खाला संख्या 31 में से प्रार्थी द्वारा कर्म की गई है जिसका नामावली प्रार्थी के नाम पर


  
 अधिवक्ता  
 डूंगला  
 जिला-चित्तौड़गढ़

नवी खुलने से प्राची को खाली करी घोषणा है  
 वह केश किया गया वाक्य निश्चय में समझने  
 की संभावना है। इसलिए प्राची का प्राइमरिरी केश  
 है सुविधा का अनुष्ठान प्राची के पक्ष में है।  
 इसलिए मौका एवं राजस्व कार्ड की यथास्थिति  
 है निपक्षिण के विरुद्ध अस्थायी निषेधाज्ञा का  
 स्वागत अदिश जारी करने है बहल में सिनेदन  
 किया गया है। इस पर पत्रावली का गहनता  
 पूर्वक अध्ययन किया गया तत्पश्चात् पाया  
 गया कि प्राची पत्र में राष्ट्रीय आरक्षी के  
 बाबत अस्थायी निषेधाज्ञा का स्वागत अदिश  
 जारी किया जाना अप्रसंगिक है। अतः मौजा  
 पदमपुरा परतार मण्डल पालीद के खता सं. 33  
 में वर्णित आरक्षी नम्बर 172 खता 0.8840 है  
 भूमि से से ख. नक्षत्रण प्रिया खेमा अक्षी के खिन्ना  
 1/3 से से 54/210 एक खिन्ना की भूमि (18 बिना)  
 प्राची द्वारा कृष की गई है तथा प्राची के  
 स्वामित्व व भाधिपत्य में होकर प्राची इसका  
 उपयोग कर रहा है। प्राची का नामान्तरण कृष  
 भूमि का नवी खुलने से निपक्षी संख्या 1 व 2 के  
 नाम पर होने से प्राची को वैधत्व करे तथा  
 अन्य जगहों को विद्युत करों पर आभास है।  
 इसलिए निपक्षिण का अस्थायी निषेधाज्ञा है  
 खता अदिश से पावय किया जाता है कि  
 निपक्षिण प्राची के कब्जे भाधिपत्य स्वामित्व  
 की भूमि से वैधत्व नहीं करे इसके उपयोग  
 उपयोग में कोई बाधा पैदा नहीं करे मूलवाद  
 के निश्चय होने तक मौका एवं राजस्व कार्ड  
 की यथास्थिति बनाये रखे। निम्न खुले  
 न्यायालय में प्रख्यात जाकर सुनाया गया।  
 पत्रावली फेब्रुवरी शुभात डेक 18 नवंबर है  
 कम से।



अधिकांश अधिकारी  
 इंगला  
 जिला-चित्तौड़गढ़